>

**Title:**Need to defer release of amount for Ganga Action Plan Phase-II at Varanasi till the matter is fully agreed to by the concerned organisations.

श्री आनन्द रत्न मौर्य (चंदौली) : महोदय, गंगा ऐक्शन प्लान के अंदर वाराणसी में सीवेज के पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लान के द्वारा शोधित कर जल को गंगा में बहाने का प्लान बना है जिसके अंदर सभी ने माना है कि फेज-१ का प्लान फॉल्टी है जिसके कारण उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो रही है और ऐसे ही गंगा ऐक्शन प्लान के अंदर फेज-२ के नाम से जल निगम ने शोधन की योजना सरकार को प्रेषित की है जिसमें ५२ करोड़ रुपये सरकार को देना है। गौरतलब है कि फेज-१ की तरह फेज-२ भी अपूर्ण है जिसका हश्र वही होगा जो फेज-१ का हुआ है।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि सच्चे विचार से गंगा को निर्मल करने के उद्देश्य को लेकर गंगा निर्मलीकरण योजना के अंदर द्वितीय चरण के कार्य की मंजूरी को तब तक लंबित रखा जाए और राशि का भुगतान न किया जाए जब तक कि इस मामले पर संबंधित बाकी संगठनों से विचार-विमर्श न कर लिया जाए।